MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
May 2024

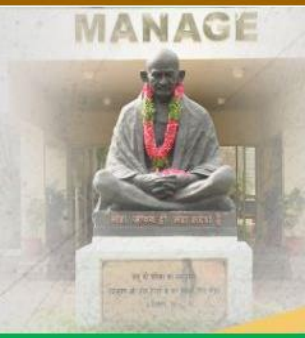

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज जम्मू और कश्मीर में 300 किसान उत्पादक कंपनियों को बढ़ावा देगा

डॉ. पी चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और सुश्री यशा मुद्गल, आईएएस (मिशन निदेशक एचएडीपी/जेकेसीआईपी) अध्यक्ष, पीजीएमसी, कृषि को पुनर्जीवित करने के लिए नवीन विस्तार दृष्टिकोण जम्मू-कश्मीर सरकार ने दिनांक 31 मई, 2024 को एक ऑनलाइन बैठक में श्री शैलेंद्र कुमार, आईएएस, प्रमुख सचिव, जम्मू-कश्मीर सरकार, वरिष्ठ अधिकारियों और मैनेज संकाय की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से, मैनेज 300 एफपीसी (किसान उत्पादक कंपनियों) को बढ़ावा देगा, 600 एफपीसी हितधारकों - सीईओ, सीबीबीओ, अध्यक्ष, जमीनी स्तर पर पदाधिकारियों की क्षमता का निर्माण करेगा, मास्टर प्रशिक्षकों को विकसित करेगा और अगले तीन वर्षों में व्यापार योजना तैयार करने में एफपीसी को सहायता प्रदान करेगा।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने उद्घाटन भाषण में मैनेज में एफपीओ निगरानी एवं मूल्यांकन केंद्र के साथ-साथ किसान कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चल रही अन्य गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया। इस अवसर पर श्री शैलेंद्र कुमार, आईएएस, प्रधान सचिव, जम्मू-कश्मीर सरकार ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन एफपीसी के कामकाज में आने वाली कमियों को दूर करने में मदद करेगा।

सुश्री यशा मुद्गल, आईएएस (मिशन निदेशक एचएडीपी/जेकेसीआईपी) अध्यक्ष, पीजीएमसी, जम्मू-कश्मीर कृषि को पुनर्जीवित करने के लिए नवीन विस्तार दृष्टिकोण ने कहा, "यह समझौता ज्ञापन जम्मू-कश्मीर में एफपीसी के लिए एक व्यवसाय योजना तैयार करने में सहायता करेगा और व्यावसायिक संस्थाओं की स्थापना और किसानों को समर्थन देने के लिए इन एफपीसी की प्रगति को रेखांकित करेगा।"

डॉ. के. सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई) और मैनेज एफपीओ अकादमी के प्रमुख अपनी टीम के साथ इस परियोजना का नेतृत्व किया।

महानिदेशक का संदेश

जम्मू और कश्मीर में 300 किसान उत्पादक कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए मैनेज मिशन

मुझे मैनेज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साझा करते हुए खुशी हो रही है क्योंकि हम जम्मू और कश्मीर सरकार के साथ एक प्रतिष्ठित सहयोग की शुरुआत कर रहे हैं। दिनांक 31 मई, 2024 को, हमने सुश्री यशा मुद्गल, आईएएस (मिशन निदेशक एचएडीपी/जेकेसीआईपी) अध्यक्ष, पीजीएमसी, कृषि को पुनर्जीवित करने के लिए नवीन विस्तार दृष्टिकोण जम्मू और कश्मीर सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए, जिसमें श्री शैलेंद्र कुमार, आईएएस, प्रमुख सचिव, जम्मू एवं कश्मीर सरकार के सम्मानित अधिकारियों और मैनेज संकाय सदस्यों की ऑनलाइन बैठक में उपस्थिति थें।

इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से, मैनेज 300 किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) को बढ़ावा देगा, 600 एफपीसी हितधारकों - सीईओ, सीबीबीओ, अध्यक्ष, जमीनी स्तर पर पदाधिकारियों की क्षमता का निर्माण करेगा, मास्टर प्रशिक्षकों को विकसित करेगा और अगले तीन वर्षों में व्यापार योजना तैयार करने में एफपीसी को सहायता प्रदान करेगा।

अगले तीन वर्षों में, मैनेज एफपीओ अकादमी मास्टर ट्रेनर्स की क्षमता विकसित करने और इन एफपीसी के लिए व्यवसाय योजना तैयार करने में व्यापक सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह पहल न केवल एफपीसी की क्षमताओं को बढ़ाएगी बल्कि जम्मू और कश्मीर में स्थायी कृषि प्रथाओं और किसान कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। यह सहयोग एफपीसी के कामकाज में महत्वपूर्ण अंतराल को पाटेगा, किसानों को सशक्त बनाएगा और क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। हम इस समझौता ज्ञापन के जम्मू और कश्मीर के कृषि परिदृश्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव से उत्साहित हैं और इस पहल के सफल कार्यान्वयन की आशा करते हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य नवीन विस्तार दृष्टिकोणों के माध्यम से जम्मू और कश्मीर के कृषि परिदृश्य को पुनर्जीवित करना है।

डॉ. पी. चन्द्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

इस अंक में .....

- मैनेज ने जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया 1
- महानिदेशक का संदेश 2
- मास्टर प्रशिक्षकों के लिए प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन दौरा कार्यक्रम 3
- मैनेज में तेलंगाना मधुमक्खी हब का उद्घाटन 4 & 5
- कृषि-स्टार्टअप और एफपीओ के लिए नई पीढ़ी के उद्यमिता कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 6
- नोडल प्रशिक्षण संस्थानों (एनटीआई) के लिए राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला 7
- मैनेज में ईसीएचओ इंडिया का दो दिवसीय प्रशिक्षण 8
- मैनेज ने उत्तर प्रदेश में 3982 कृषि सखियों का प्रमाणन पूरा किया 9
- मैनेज और रायथु साधिकारा संस्था (आरवाईएसएस) प्राकृतिक खेती पर सहयोग करते हैं 9
- पुस्तक वाचन सत्र 10
- श्री बिनोद आनंद, ग्रामीण भारत के गैर सरकारी संगठनों के परिसंघ ने मैनेज का दौरा किया 10

प्राकृतिक खेती पर मास्टर प्रशिक्षकों का विकास

मैनेज ने मास्टर प्रशिक्षकों के लिए प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण-सह-एक्सपोजर विजिट पर क्रमशः दिनांक 14-18 मई, 2024 और 27-31 मई, 2024 को दो 5 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया।

पहले कार्यक्रम में 8 राज्यों (हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, हरियाणा और पश्चिम बंगाल) के 6 अटारी अंचलों से कुल 54 कृषि अधिकारियों तथा दूसरे कार्यक्रम में 7 राज्यों (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम और मेघालय) के कृषि और संबद्ध विश्वविद्यालयों से कुल 42 कृषि अधिकारियों ने भाग लिया।

इन मास्टर ट्रेनरों को प्राकृतिक खेती के ज्ञान से लैस किया गया है और किसानों के अनुभवों से उन्हें कौशल प्रदान किया गया है।

इससे देश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए मास्टर ट्रेनरों का एक कैडर तैयार होगा। वे सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (सीआरपी), मॉडल फार्म और कृषि सखियों के प्रशिक्षण को विकसित करने में विस्तार कार्यकर्ताओं की सहायता करेंगे।

यह कार्यक्रम मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, बीज और रोपण सामग्री, पशुधन प्रणालियों का एकीकरण, कीट और रोग प्रबंधन, स्वास्थ्य और पोषण, विपणन संपर्क और प्राकृतिक खेती में विस्तार सेवाओं पर केंद्रित थे।

मास्टर प्रशिक्षकों ने तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के अमीरपेट गांव में किसान श्री एस. हरि बाबू के प्राकृतिक खेती के खेतों का दौरा किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने समापन भाषण में कहा कि भारत में प्राकृतिक खेती के बारे में अलग-अलग राय है, लेकिन इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्राप्त ज्ञान किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए मार्गदर्शन और प्रोत्साहित करने में मदद करेगा। उन्होंने किसानों के बीच प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाने को बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती के उत्पादों के लिए बाजार पर कब्जा करने, प्रत्यक्ष बाजार दृष्टिकोण को लागू करने और किसानों के लिए अधिक लाभ सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. एन. बालासुब्रमणी, निदेशक (एसएएंडसीसीए) मैनेज ने इन कार्यक्रमों के लिए निदेशक के रूप में कार्य किया।

विश्व मधुमक्खी दिवस 2024:
मैनेज में तेलंगाना मधुमक्खी हब का उद्घाटन

वीएसएन रेड्डी एजुकेशनल सोसाइटी के सहयोग से मैनेज ने दिनांक 22 मई, 2024 को 'विश्व मधुमक्खी दिवस' मनाया। इस अवसर पर डॉ. पी चंद्रा शेखरा, महानिदेशक मैनेज, श्री किंदा लक्ष्मण, कुलपति, तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय, डॉ. बी. नीरजा प्रभाकर, अध्यक्ष, तेलंगाना बी हब सोसाइटी की श्रीमती इंदिरा रेड्डी और मैनेज की डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम) भी उपस्थित थीं।

इस समारोह में सर्वश्रेष्ठ मधुमक्खी पालकों, मास्टर प्रशिक्षकों, मैनेज संकाय सदस्यों और कर्मचारियों सहित 75 से अधिक प्रतिभागी मौजूद थे।

अपने संबोधन के दौरान, डॉ. पी. चंद्र शेखर, महानिदेशक, मैनेज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों का समाधान करने में मधुमक्खियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मधुमक्खियों के बिना, मानवता को बढ़ने और जीवित रहने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियाँ हमें पोषण और आय सुरक्षा प्रदान करती हैं।

उन्होंने घोषणा की कि मैनेज जल्द ही मधुमक्खी पालन और शहद उद्योग में विशेषज्ञों को विकसित करने के लिए एक प्रमाणित मधुमक्खी पालन सलाहकार कार्यक्रम भी शुरू करेगा।

विश्व मधुमक्खी दिवस 2024:
मैनेज में तेलंगाना मधुमक्खी हब का उद्घाटन

तेलंगाना बी हब सोसाइटी की अध्यक्ष और वीएसएन रेड्डी एजुकेशनल सोसाइटी की सचिव श्रीमती इंदिरा रेड्डी ने मधुमक्खी पालन के महत्व और कृषि और मानव जीवन में मधुमक्खियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जानकारीपूर्ण सत्र दिया और 'तेलंगाना बी हब' (मधुमक्खी पालक कल्याण संघ) के उद्घाटन की घोषणा की। अपने भाषण में, उन्होंने अपनी उद्यमशीलता की यात्रा साझा की और उल्लेख किया कि सफल मधुमक्खी पालन के लिए बहु-फसल की आवश्यकता होती है और मधुमक्खियों की रक्षा के लिए रासायनिक कीटनाशकों और कीटनाशकों का उपयोग बंद करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. बी. नीरिजा प्रभाकर, कुलपति, एसकेएलटीएसएचयू, तेलंगाना ने अपने संबोधन में मधुमक्खी पालन के महत्व को रेखांकित किया और नवगठित तेलंगाना मधुमक्खी हब एसोसिएशन को शुभकामनाएं दीं।

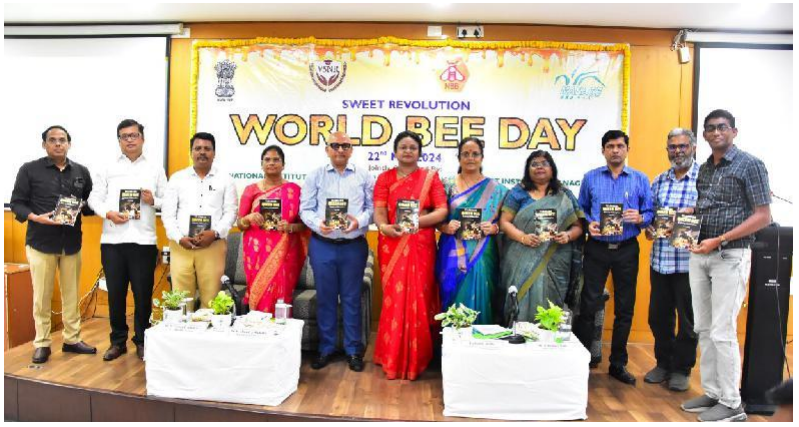

श्रीमती इंदिरा रेड्डी द्वारा लिखित "तेलंगाना क्वीन बी - ए जर्नी विद हनी बीज़" नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

मैनेज और वीएसएन रेड्डी एजुकेशनल सोसाइटी ने संयुक्त रूप से मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले मधुमक्खी पालकों को सम्मानित किया। इसके बाद, कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा मधुमक्खी-अनुकूल वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया।

तेलंगाना राज्य में मधुमक्खी पालकों को कैसे बढ़ावा दिया जाए इस विषय पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में मधुमक्खी पालकों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन भी किया। डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), मैनेज ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

कृषि-स्टार्टअप और एफपीओ के लिए नई पीढ़ी के उद्यमिता कौशल पर छात्रों के लिए प्रशिक्षण

मैनेज ने दिनांक 14-23 मई, 2024 को एनएएचईपी (राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना) द्वारा प्रायोजित केलाडी शिवप्पा नायक कृषि और बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, इरुवाक्की के छात्रों के लिए "कृषि-स्टार्टअप और एफपीओ के लिए नई पीढ़ी के उद्यमिता कौशल" पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कुल 30 कृषि छात्रों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में गतिविधि-आधारित सत्रों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षण शामिल था और प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जिसमें विचार निर्माण, उत्पाद विकास, डिजिटल मार्केटिंग रणनीतियों जैसे प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया था।

डॉ. सरवनण राज, निदेशक (कृषि विस्तार) और सीईओ-सीआईए, मैनेज, जो कार्यक्रम का निर्देशन कर रहे हैं, ने छात्रों के साथ बातचीत की और प्रशिक्षण कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया।

राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला
एसीएबीसी नोडल प्रशिक्षण संस्थान (एनटीआई)

मैनेज ने दिनांक 29-30 मई, 2024 को कृषि क्लीनिक और कृषि व्यवसाय केंद्र (एसी और एबीसी) योजना के तहत नोडल प्रशिक्षण संस्थानों (एनटीआई) के लिए 2 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें नोडल प्रशिक्षण अधिकारी, कार्यक्रम समन्वयक, प्रशिक्षण समन्वयक और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में सर्वोत्तम प्रथाओं सहित एसी और एबीसी योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा और उसे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें जनसमर्थ पोर्टल, कृषि मैपर, फेशियल बायोमेट्रिक मशीन और एसी एवं एबीसी एमआईएस पोर्टल पर उन्मुखीकरण प्रदान किया गया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने उद्घाटन भाषण में नोडल प्रशिक्षण संस्थानों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और उच्च सफलता प्राप्त करने के लिए रणनीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षण से परे प्रतिभागियों को समर्थन देने के महत्व पर जोर दिया, जिसमें निरंतर सहायता और सुरक्षित बैंक ऋण शामिल हैं। उन्होंने निजी और सार्वजनिक कृषि विस्तार सेवाओं के बीच एकीकरण की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

श्री. संजय कुमार, अतिरिक्त आयुक्त (विस्तार) कृषि एवं किसाना कल्याण मंत्रालय ने कृषि समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए एसी एंड एबीसी गतिविधियों को सरकारी प्राथमिकताओं के साथ जोड़ने, नवाचारों का दोहन करने और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने का सुझाव दिया है। श्री साजिथ कुमार, निदेशक (कृषि नवाचार), कृषि एवं किसाना कल्याण मंत्रालय ने पिछले वर्ष के एनटीआई की संक्षिप्त समीक्षा की।

उन्होंने उच्च सफलता दर हासिल करने के लिए योजना के प्रति दृढ़ मानसिकता, प्रतिबद्धता और समर्पण की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. जे. पी. यादव, संयुक्त निदेशक (विस्तार), कृषि एवं किसाना कल्याण मंत्रालय भी मौजूद थे।
डॉ. शाहजी फंड, प्रधान समन्वयक, एसी एंड एबीसी योजना और डॉ. साई माहेश्वरी, सहायक निदेशक, मैनेज ने कार्यशाला का समन्वय किया।

मैनेज में एको इंडिया पार्टनर लॉन्च प्रशिक्षण

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय) भारत सरकार ने दिनांक 23-24 मई, 2024 को हैदराबाद स्थित मैनेज में ईसीएचओ इंडिया पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव (आईएनएम) डॉ. योगिता राणा, आईएएस ने किया। विस्तार सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए डिजिटल तकनीक का लाभ उठाने के बारे में जानने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और विभिन्न कार्यालयों के लगभग 60 अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने इसमें भाग लिया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने स्वागत भाषण में मैनेज का अवलोकन प्रस्तुत किया और किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचने तथा विस्तार पेशेवरों, इनपुट डीलरों, कृषि उद्यमियों, कृषि स्टार्टअप्स और अन्य हितधारकों की क्षमता निर्माण के लिए इसे लागू करने के लिए एको जैसे मंच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त यह रिफ्रेशर कार्यक्रमों के संचालन में मदद करेगा और विशिष्ट योजनाओं और कार्यक्रमों पर बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रमों का प्रभावी ढंग से आयोजन करेगा।

डॉ. योगिता राणा ने अपने मुख्य भाषण में पैरा एक्सटेंशन कार्यकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण में एको मंच की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने जमीनी चुनौतियों और घातीय शिक्षा के लिए कैस्केडिंग मॉडल अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

एको इंडिया के डॉ. सुशील आनंद, कार्यकारी निदेशक ने कहा कि एको नई चीजें सीखने की क्षमता निर्माण करने और सफल समुदाय बनाने का एक मंच है।

इस कार्यक्रम में एको प्लेटफॉर्म और कार्यप्रणाली पर वैचारिक स्पष्टता, प्रतिभागियों द्वारा मॉक सत्र, एको प्लेटफॉर्म पर पाठ्यक्रम की पहचान आदि विषयों पर चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम में श्री संजय जोशी, कृषि विभागाध्यक्ष, एको और डॉ. संजय कुमार, अतिरिक्त आयुक्त (विस्तार), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, एको टीम और मैनेज संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तालुरी, उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक खेती पर प्रमाणित कृषि सखियाँ

मैनेज ने उत्तर प्रदेश में 3982 कृषि सखियों का प्रमाणन पूरा कर लिया है। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले की जिला मिशन प्रबंधन इकाई (डीएमएमयू) ने प्राकृतिक खेती में कृषि सखियों और प्रमाणित कृषि सखियों के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 29 अप्रैल, 2024 से 03 मई, 2024) आयोजित किया हैं। वे राज्य में प्राकृतिक खेती कार्यक्रमों का समर्थन करेंगे।

राज्य ने प्राकृतिक खेती में अपने कौशल को बढ़ाने के लिए 9368 कृषि सखियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है। उत्तर प्रदेश के राज्य समन्वयक श्री हितुल अवस्थी ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता की निगरानी की और इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में कृषि सखियों की प्रतिक्रिया इकट्ठा किया।

ऑनलाइन बातचीत के दौरान, श्रीमती सदना यादव ने प्राकृतिक खेती के चार स्तंभों के बारे में बताया और विभिन्न जैव-इनपुट तैयार करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। इस सत्र का समापन सभी कृषि सखियों द्वारा एक सुर में नारा लगाने के साथ हुआ, "मिट्टी नहीं बचाएंगे तो अनाज कहा उगायेंगे"।

मैनेज और रायथु साधिकारा संस्था (आरवाईएसएस) ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सहयोग किया

मैनेज और रायथु साधिकारा संस्था (आरवाईएसएस), आंध्र प्रदेश ने दिनांक 07 मई, 2024 को विविध कृषि-जलवायु क्षेत्रों को कवर करते हुए विभिन्न राज्यों में प्राकृतिक खेती गतिविधियों को बढ़ावा देने में नई साझेदारी पहल पर एक संवाद आयोजित किया है।

इस बैठक में डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, श्री टी. विजय कुमार, आईएएस (सेवानिवृत्त), आरवाईएसएस और उनकी टीम, डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसएएंडसीसीए) मैनेज और प्राकृतिक खेती टीम उपस्थित थे।

पुस्तक वाचन सत्र

दिनांक 25 मई, 2024 को चौथा पुस्तक वाचन सत्र, श्री नितेश कुमार, अकादमिक एसोसिएट (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कंसलटेंट, मैनेज फेलो और मैनेज स्टाफ़ एक समृद्ध साहित्यिक अनुभव के लिए एक साथ एकत्रित हुए।

सर्वप्रथम, श्रीमती अर्चना, मल्टीमीडिया संपादक, मैनेज ने चेतन भगत की "जीवन के 11 नियम" पुस्तक का परिचय दिया और पुस्तक के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला: भावनाओं पर काबू पाना, स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना, छोटे कदम उठाना, लचीला होना और गलतियों से सीखना आदि का परिचय दिया।

इसके अलावा, सुश्री प्रगति शुक्ला, कंसलटेंट ने केविन मिसाल की "धर्मयोद्धा कल्कि" पुस्तक के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें शम्बाला के कल्कि हरि की कहानी साझा की गई, जो विभिन्न परीक्षणों के माध्यम से अपने वास्तविक वंश की खोज करता है।

अंत में डॉ. विग्नेश के. एस. ने एलन ड्यूशमैन की "बदलें या मरें" पुस्तक पढ़ी, उन्होंने सकारात्मक जीवन परिवर्तनों की तीन कुंजियाँ उजागर कीं: संबंधित होना, दोहराना और फिर से तैयार करना। यह सत्र सफल रहा, जिसमें रोचक चर्चाएं और नए दृष्टिकोण सामने आए।

श्री बिनोद आनंद, ग्रामीण भारत के गैर सरकारी संगठनों के परिसंघ ने मैनेज का दौरा किया

श्री बिनोद आनंद, महासचिव, सीएनआरआई और सदस्य, माननीय पीएम हाई पावर कमेटी और एमएसपी ने आईआईटी-हैदराबाद के टीआईएचएएन और सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस-हैदराबाद के संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 03 मई, 2024 को मैनेज का दौरा किया।

उन्होंने सहकारी विस्तार, आईटी आधारित कृषि-स्टार्टअप और ग्रामीण विपणन के क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग पर चर्चा करने के लिए डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज से मुलाकात की।

संपादकीय सदस्य

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: www.manage.gov.in

मुख्य संपादक

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा,

महानिदेशक

संपादक

डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तालूरी

उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

हिन्दी अनुवाद

डॉ. के. श्रीवल्ली, सहा.निदेशक (रा.भा.), मैनेज

सुश्री पुजा दास, वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज

एसोसिएट एडिटर्स

श्री कृष्णा दाभोलकर,

आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज